

# सारांश

No.

Date: / /

## पाठ-1 कक्कू (कविता)

कवि - रमेशचंद्र शाह

पाठ-1 'कक्कू' यह कविता श्री रमेशचंद्र शाह द्वारा रचित है। कक्कू का अर्थ है कौयल इस कविता में कक्कू एक बालक है जो हमेशा रोता रहता है इसलिए सब उसे "अक्कू" चिढ़ाते हैं।

वैसे तो कौयल की बोली बहुत ही मीठी होती है, लेकिन बालक कक्कू का अब भी कोई मजाक उड़ाता है तो वह बहुत भड़क जाता है। इसलिए उसे कभी-कभी अक्कू कहकर भी बुलाया जाता है।

कौयल बहुत अच्छा गाना गाती है। और सभी उसे पसंद करते हैं। लेकिन जो बात-बात पर चिढ़ जाता है। सबसे अगड़ता है गाना गाना जिसे जरा भी नहीं आता, उसे बालक को सभी अक्कू बुलाते हैं जबकि उसका नाम कक्कू है।



1. कक्कू

(कविता)

शब्द - अर्थ

1. ठिठोली	मजाक
2. झगड़ानू	झगड़ा करने वाला
3. सदा	हमेशा, सदैव
4. चिढ़ाना	तंग करना, परेशान करना

तुम अपना नाम लिखो और बताओ तुम्हारे नाम का क्या मतलब है ?

मेरा नाम दीपाँजलि है जिसमें "दीप" का अर्थ है दीपक और "अंजलि" का अर्थ है कतार या पंक्ति  
अतः दीपाँजलि का अर्थ है "दीपों की कतार"

तुम्हें लोग किन किन नामों से बुलाते हैं ?

प्यार वाला नाम	चिढ़ाने वाला नाम	दोस्तों का दिया नाम
तारा छोटू	चारा घोंचू	काम का मारा छुटकू



सोचो और लिखो कि किसी-किसी की नीचे  
दिए गए नामों से क्यों बुलाया जाता होगा?

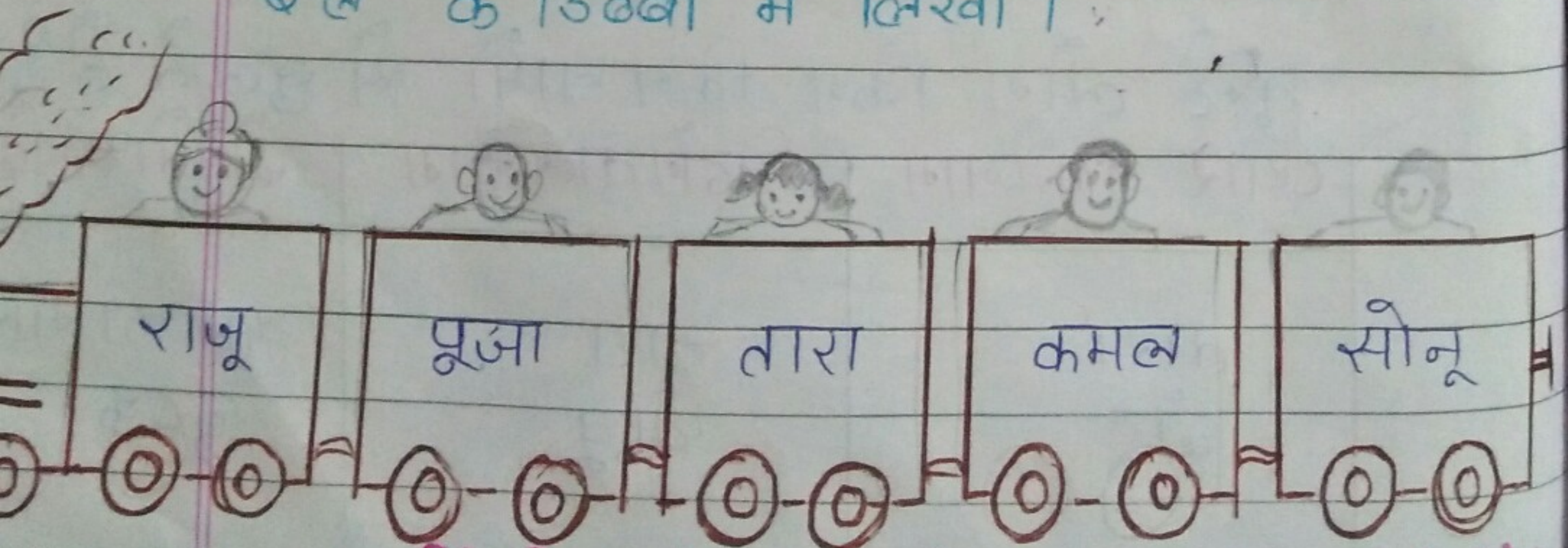
1. गप्पू - जो बहुत गप्प मारता हो।
2. भोली - जो सीधी-सादी हो।
3. छुटकी - जो कद से छोटी हो।
4. गोलू - जो गोल-मटोल दिखता हो।

कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो।  
क्योंकि कोयल की आवाज मीठी और झुरीली  
रुवं सबका मन मोहने वाली होती है जबकि  
कक्कू बात-बात पर रोने वाला, जल्दी ही  
भड़कने वाला रुवं झगड़ालू है।

कक्कू कैसा है?

- कक्कू -
1. दिनभर रोने वाला
  2. मजाक करने पर भड़कने वाला
  3. बात-बात पर चिढ़ने और झगड़ने वाला

पाँच बच्चों की टोली बना लो। बच्चों के नाम  
रेल के डिब्बों में लिखो।



इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

1. कमल
2. तारा
3. पूजा
4. राजू
5. सोनू



## कविता का समय (कविता पूरी कीजिए)

कक्कू वह जो सदा हँसा  
रीना उसे पुराना **भारत**  
चिड़िया के संग गाना **गाता**  
संग मोर के **नाच नचाता**  
इसीलिए तो कभी-कभी हम  
कहते उसको **मिट्टू** ।